

Report on Conference Preparations Discussed at DAV PG College Economics Department

05th May 2026

The Department of Economics at DAV PG College, Varanasi, welcomed Prof. Nripendra Kishore Mishra, Head of the Department of Economics, Kashi Hindu Vishwavidyalaya (BHU), and Convener of the 67th Annual Conference of the Indian Society of Labour Economics (ISLE).

During his visit, Prof. Mishra held a productive meeting with the faculty members and research scholars to discuss the preparations for the upcoming conference and emphasized the importance of mutual cooperation for its successful organization. The discussion focused on planning, coordination, and the active involvement of the department in the conference activities.

Prof. Mishra also met with the College Manager, Mr. Ajit Kumar Singh, and other members of the college administration to strengthen institutional collaboration and ensure smooth coordination for the event.

The meeting concluded with a shared commitment to work together for the successful hosting of the prestigious academic conference.



Report on Importance of Self-Reliance and Economic Security

15th May 2026

A meeting of the **Small Industries Association** and the **Tourism Developers Association** was held at the **MSME Department Office, Chandpur, Varanasi**, in response to Prime Minister Narendra Modi's appeal for promoting self-reliance.

The keynote address was delivered by **Prof. Anup Kumar Mishra**, Head of the Department of Economics, DAV PG College, Varanasi. He emphasized that, in the face of global economic challenges, rising import dependence, foreign exchange conservation, and energy security, strengthening domestic production and reducing unnecessary imports are essential for India's economic resilience.

Association President **Rajesh Bhatia** stressed the need to prioritize economic security and support local industries amid global instability. Participants also highlighted that reducing foreign travel and encouraging indigenous products would help conserve foreign exchange and strengthen the national economy.

The meeting was attended by entrepreneurs, industry representatives, and association members, who reaffirmed their commitment to promoting "**Vocal for Local**" and **Atmanirbhar Bharat** initiatives.



र स्थित एमएसएमई विभाग के कार्यालय में गुरुवार को बैठक करते उ

णसी, प्रमुख संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील वे जार गुरुवार को दी स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन एवं टूरिज्म ह्यर एसोसिएशन की बैठक हुई। चांदपुर स्थित एमएसएमई वि ग्यालय में हुई बैठक में मुख्य वक्ता डीएवी पीजी कॉलेज में शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.अनूप कुमार मिश्रा रहे। उन्होंने कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, बढ़ती आयात निर्भरता, विदेशी संरक्षण तथा ऊर्जा सुरक्षा के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ल प्रासंगिक है।

सिप्शन के अध्यक्ष राजेश भाटिया ने कहा कि वैश्विक अस्थिर से आपूर्ति शृंखला पर संकट गहरा गया है। ऐसे में देश को अप र्क हितों की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता चाहिए। स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करना चाहिए और स्थ गों को सशक्त बनाने के लिए काम करना चाहिए।

री राहुल मेहता ने कहा कि विदेश यात्रा कम करने से देश के बि र्भंडार पर बहुत असर पड़ेगा। बैठक में प्रशांत अग्रवाल, बृजेश री, नीरज पारीख, अशोक सिंह, नारायण कोठारी, मनबोधन सि जानन जोशी, विशाल जायसवाल, गौरव अग्रवाल, शैलेन्द्र कुम , अच्युत गुप्ता आदि मौजूद रहे।

© 2026 All Rights Reserved | Document Information



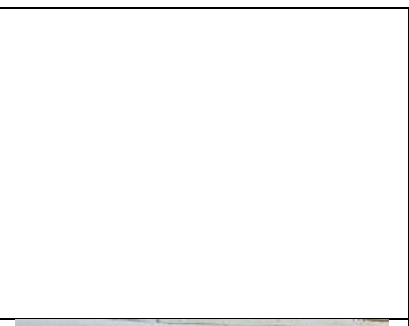
नवी आर्थिक राष्ट्रवाद को मजबूत करने के लिए एमएसएमई उद्यमियों का अ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के तहत, एमएसएमई विभाग के कार्यालय में गुरुवार को बैठक करते उ

राष्ट्र के आर्थिक हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना होगा

बैठक करते स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारी।

© 2026 All Rights Reserved | Document Information



नवी आर्थिक राष्ट्रवाद को मजबूत करने के लिए एमएसएमई उद्यमियों का अ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के तहत, एमएसएमई विभाग के कार्यालय में गुरुवार को बैठक करते उ

राष्ट्र के आर्थिक हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना होगा

बैठक करते स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारी।

© 2026 All Rights Reserved | Document Information



नवी आर्थिक राष्ट्रवाद को मजबूत करने के लिए एमएसएमई उद्यमियों का अ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के तहत, एमएसएमई विभाग के कार्यालय में गुरुवार को बैठक करते उ

राष्ट्र के आर्थिक हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना होगा

बैठक करते स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारी।

© 2026 All Rights Reserved | Document Information

Report on HPCL Extends Support for the 67th ISLE Annual Conference

28th May 2026

A meeting was held at the **Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL)** office in Lucknow with **Mr. Dayashankar Singh, Deputy General Manager (Retail)**, to discuss HPCL's support and participation in the **67th Annual Conference of the Indian Society of Labour Economics (ISLE)**, scheduled to be held from **19–21 December 2026** by the **Department of Economics, Banaras Hindu University (BHU)**.

The conference delegation, led by **Prof. N. K. Mishra**, Convener of the conference, discussed opportunities for institutional collaboration and HPCL's involvement in the event. During the meeting, the organizers also congratulated Mr. Dayashankar Singh on completing **36 years of dedicated service** with HPCL and conveyed their best wishes for his continued success.

The interaction strengthened the partnership between academia and industry and reflected a shared commitment to supporting research and knowledge exchange through the forthcoming ISLE Conference.



Discussion on Kashi's Development, Green Initiatives, and Education—Municipal Coordination

21st May 2026

Prof. Anup Kumar Mishra, Head of the Department of Economics, DAV PG College, Varanasi, paid a courtesy visit to **Varanasi Mayor Ashok Kumar Tiwari** and held a meaningful discussion on the city's development, environmental sustainability, and the role of educational institutions in urban governance.

The meeting focused on Kashi's transformation into a cleaner, greener, and more modern city, with special emphasis on expanding green spaces, improving civic amenities, and strengthening environmental conservation. Prof. Mishra presented his book, published by the **Gyan Foundation**, highlighting global best practices in sustainable urban development.

Both sides emphasized the importance of stronger coordination between educational institutions and the Municipal Corporation to support research, policy formulation, and public welfare initiatives. The meeting concluded with a shared commitment to promoting sustainable development and enhancing cooperation between academia and local administration for the overall progress of Kashi.

काशी के विकास, हरित पहल और शिक्षा-नगर निगम समन्वय पर महापौर से सार्थक चर्चा

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय से संबद्ध डी ए वी अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष के प्रो. अनुप कुमार मिश्र ने आज वाराणसी के महापौर श्री अशोक तिवारी से शिष्टाचार भेंट कर काशी के समग्र विकास, नगर में उपलब्ध वैश्विक स्तर की सुविधाओं तथा नगर निगम द्वारा किए जा रहे विभिन्न जनहितकारी कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर काशी के बदलते स्वरूप, आधुनिक सुविधाओं के विस्तार और शहर के सतत विकास की दिशा में चल रही पहलों की सराहना की गई। विशेष रूप से डोमरी क्षेत्र में हरित क्षेत्र (ग्रीन जोन) विकसित करने की नगर निगम की पहल को पर्यावरण संरक्षण तथा संतुलित शहरी विकास की दृष्टि से एक ऐतिहासिक

और दूरदर्शी कदम बताया गया। कहा गया कि ऐसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित और बेहतर



पर्यावरणीय वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर झुन्ना फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित

काशी जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज के 16वें विशिष्ट अंक को महापौर श्री अशोक तिवारी को भेंट किया गया।

साथ ही जर्नल की विशेषताओं, उसके बहुआयामी सामाजिक-शैक्षणिक योगदान तथा

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध एवं ज्ञान-विमर्श को प्रोत्साहित करने में उसकी भूमिका की जानकारी भी साझा की गई। भेंटवार्ता के दौरान नगर निगम और शिक्षा जगत के बीच समन्वय स्थापित करने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दिशा में शैक्षणिक संस्थानों की विशेषज्ञता एवं नगर प्रशासन के अनुभवों को जोड़कर समाजोपयोगी योजनाओं और जनकल्याणकारी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया गया। यह मुलाकात काशी के विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा शिक्षा एवं प्रशासन के मध्य रचनात्मक सहयोग की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखी जा सकती है।

Report on ISLE Conference Invitation Extended to Uttar Pradesh Cabinet Minister

30th May 2026

A delegation led by **Prof. N. K. Mishra**, along with former Minister **Dr. Satish Chandra Dwivedi**, met **Shri Anil Rajbhar**, Cabinet Minister for Labour, Employment and Coordination, Government of Uttar Pradesh, at his official residence in Lucknow.

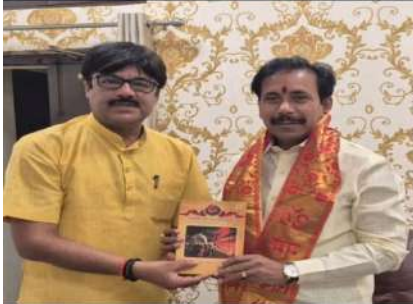
During the meeting, the delegation formally invited the Minister to attend and support the **67th Annual Conference of the Indian Society of Labour Economics (ISLE)**, scheduled to be held from **19–21 December 2026** under the aegis of the **Department of Economics, Banaras Hindu University (BHU)**.

The discussions focused on the significance of the conference in promoting research, policy dialogue, and collaboration on labour and economic issues. On the occasion, the delegation also presented the Minister with a book authored on the **centenary of the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS)** as a token of respect.

The meeting concluded on a positive note, with mutual appreciation and a shared commitment to supporting the successful organization of the conference.

श्रम आधारित उद्योगों, श्रमिक कल्याण एवं राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन पर हुई सार्थक चर्चा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय विभाग के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर से उनके लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर डॉ.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार मिश्र ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. एन के मिश्र के साथ औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश में श्रम आधारित उद्योगों के विकास, अकुशल श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण योजनाओं तथा श्रम पोर्टल की उपयोगिता एवं प्रभावशीलता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। प्रो. मिश्र ने श्रमिकों के पंजीकरण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को पहुंच तथा श्रम क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। भेंट के दौरान प्रो. अनूप कुमार मिश्र ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रचित पुस्तक शताब्दी पथ पर राष्ट्र निर्माण मंत्री श्री अनिल राजभर को भेंट कर उनका सम्मान किया। बैठक में आगामी 29 से 31 दिसंबर, 2026 के मध्य काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित होने वाले इंडियन सोसाइटी फॉर लेबर इकोनॉमिक्स के वार्षिक सम्मेलन के संबंध में भी चर्चा हुई। सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग एवं सहभागिता की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। मंत्री श्री राजभर ने श्रम एवं रोजगार से जुड़े शोध, नीति विमर्श तथा अकादमिक आयोजनों के महत्व को रेखांकित करते हुए ऐसे प्रयासों को उपयोगी बताया।



हिन्दू

मंत्री से हुई राष्ट्रीय सम्मेलन पर चर्चा

मुलाकात

काशीवासी, डॉ. अनूप कुमार मिश्र ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. एन. के. मिश्र के साथ औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश में श्रम आधारित उद्योगों के विकास, अकुशल श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण योजनाओं तथा श्रम पोर्टल की उपयोगिता एवं प्रभावशीलता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। प्रो. मिश्र ने श्रमिकों के पंजीकरण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को पहुंच तथा श्रम क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। भेंट के दौरान प्रो. अनूप कुमार मिश्र ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रचित पुस्तक शताब्दी पथ पर राष्ट्र निर्माण मंत्री श्री अनिल राजभर को भेंट कर उनका सम्मान किया। बैठक में आगामी 29 से 31 दिसंबर, 2026 के मध्य काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित होने वाले इंडियन सोसाइटी फॉर लेबर इकोनॉमिक्स के वार्षिक सम्मेलन के संबंध में भी चर्चा हुई। सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग एवं सहभागिता की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। मंत्री श्री राजभर ने श्रम एवं रोजगार से जुड़े शोध, नीति विमर्श तथा अकादमिक आयोजनों के महत्व को रेखांकित करते हुए ऐसे प्रयासों को उपयोगी बताया।



67th INDIAN SOCIETY OF LABOUR ECONOMICS ANNUAL CONFERENCE

19-21 December 2026

Department of Economics
Banaras Hindu University (BHU)
Varanasi-221005, Uttar Pradesh, India

Report on Book on RSS Centenary Presented at National Science Conference

14th June 2026

During the valedictory session of the 7th National Science Conference organized by Vigyan Bharati at Swatantrata Bhavan, Banaras Hindu University (BHU) on 14 June 2026, Prof. Anup Kumar Mishra, Head of the Department of Economics, DAV PG College, Varanasi, presented his book, "Shatabdi Path Par Rashtra Nirman" (Nation Building on the Path of the Centenary), to Shri Sunil Ambekar, All India Publicity Chief of the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS).

Shri Ambekar appreciated the book for its comprehensive presentation of the RSS's century-long journey, its contribution to nation-building, and its academic relevance. He congratulated Prof. Mishra on the publication and acknowledged its value as a resource for students, researchers, teachers, and the general public interested in understanding the organization's history, ideology, and social contributions.

The interaction highlighted the importance of scholarly work in documenting national institutions and promoting informed academic discourse.



Report on Expert Lecture on Entrepreneurial Opportunities in Import and Export

08th July 2026

Prof. Anup Kumar Mishra, Head of the Department of Economics, DAV PG College, Varanasi, delivered two expert sessions as a **Resource Person** under the **Entrepreneurship Development Programme (EDP)** organized by **NIESBUD**, sponsored by the **Directorate General of Resettlement (DGR)**, Ministry of Defence, at the **Atal Incubation Centre, Banaras Hindu University (BHU)**.

The lectures focused on "**Entrepreneurial Opportunities in Import and Export**", covering global trade opportunities, import substitution, value addition, digital commerce, MSMEs, service and agricultural exports, government support schemes, and the role of entrepreneurship in achieving the vision of **Viksit Bharat @2047**.

During the programme, Prof. Mishra also presented his **Strategic Entrepreneurial Trade Development Model (SETDM)**, emphasizing technology-driven imports, indigenous innovation, value addition, and export expansion as key drivers of sustainable economic growth. The interactive sessions received an enthusiastic response from participants, with meaningful discussions on entrepreneurship and nation-building.

The programme concluded with appreciation for the organizers—**NIESBUD, DGR, Atal Incubation Centre, BHU**—and a shared commitment to promoting innovation, entrepreneurship, and global competitiveness among aspiring entrepreneurs.



**NATIONAL INSTITUTE FOR
ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS
DEVELOPMENT (NIESBUD)**

Under
Entrepreneurship Development Programme (EDP)

Sponsored by
DIRECTORATE GENERAL FOR RESETTLEMENT (DGR)
Ministry of Defence, Government of India

**EMPOWERING DEFENDERS,
INSPIRING ENTREPRENEURS!**

PARTICIPANTS
37 Defence Personnel
(Army, Navy & Air Force)
on the verge of superannuation

PROGRAMME PURPOSE
To orient and motivate defence
personnel to explore and embrace
entrepreneurship for a successful
post-service journey.

Topic for Discussion
**ENTREPRENEURIAL
OPPORTUNITIES IN
IMPORT AND EXPORT**

KEY TAKEAWAYS

- Global Trade Opportunities
- Import-Export Procedures
- Market Access & Strategy
- Business Models & Start-up Journey
- Schemes & Support for Entrepreneurs

DATE
WEDNESDAY
08 JULY 2026

TIME
10.00 A.M. to
02.00 P.M.

VENUE
Atal Incubation Centre (AIC)
5th Floor, Central Discovery Centre (CDC)
Banaras Hindu University (BHU)
Varanasi, Uttar Pradesh

Organised by
ATAL INCUBATION CENTRE (AIC)-MFIE-IM BHU
Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Pradesh



RESOURCE PERSON
Prof. Anup Kumar Mishra
Head, Department of Economics
DAV P.G. College, BHU, Varanasi



Prof. Anup Kumar Mishra Delivers Keynote Address at ICSSR-Sponsored National Seminar

16th July 2026

Prof. Anup Kumar Mishra, Head of the Department of Economics, DAV PG College, Varanasi, delivered a keynote lecture at the ICSSR-sponsored National Seminar organized by Maharshi Vishwamitra Mahavidyalaya, Buxar, Bihar, on 17 July 2026.

His presentation, titled "**One Nation, One Election (ONOE) and Viksit Bharat @2047: An Economic Analysis of Developmental Implications**," examined the potential economic impact of synchronized elections in India. Prof. Mishra highlighted how the **One Nation, One Election** model could reduce election-related expenditure, improve administrative efficiency, ensure policy continuity, enhance public investment efficiency, promote capital formation, and contribute to long-term economic growth.

The seminar brought together academicians, researchers, and students for meaningful discussions on governance and economic development. Prof. Mishra was also felicitated by the organizers in recognition of his scholarly contribution and participation in the national seminar.



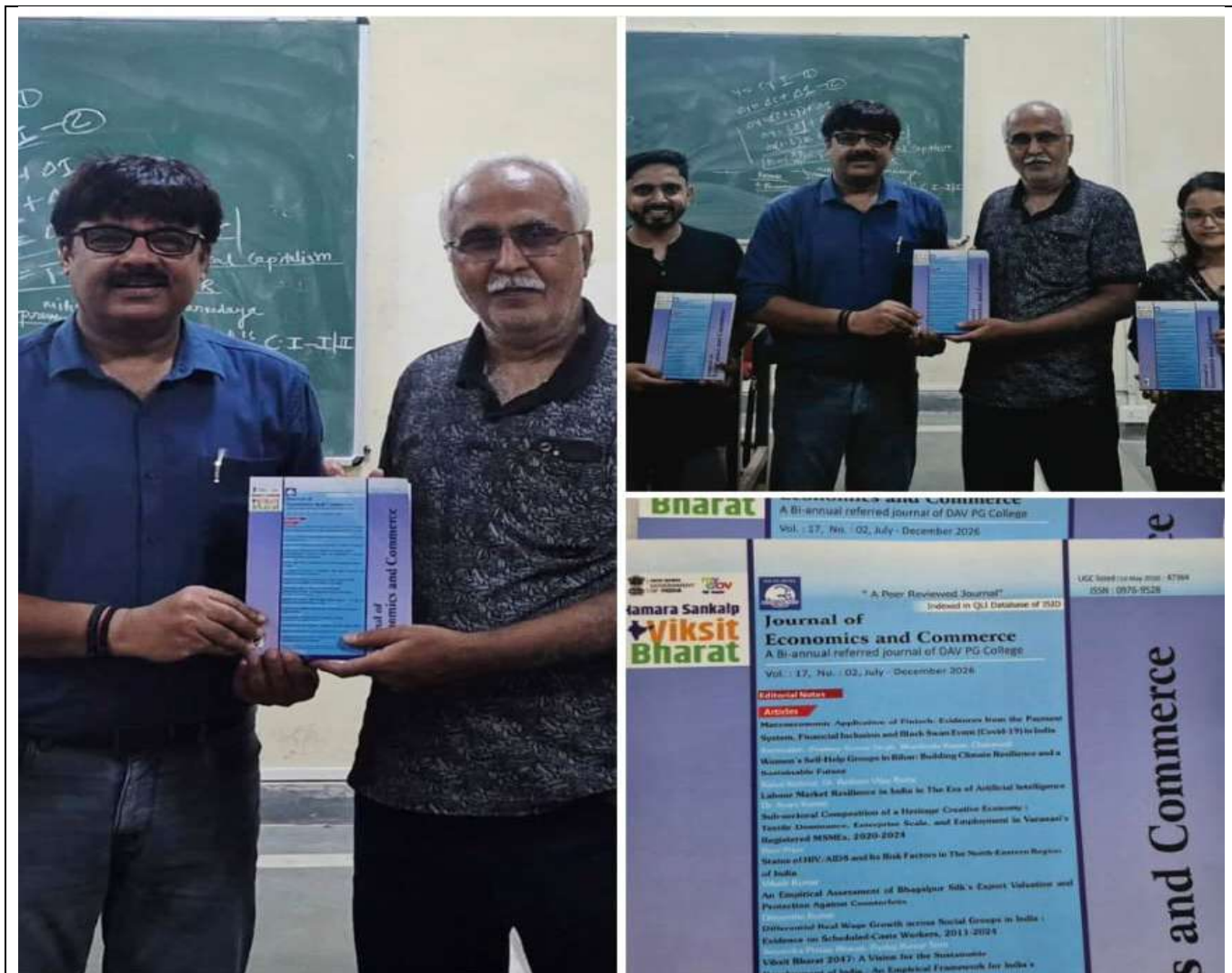
Report on Latest Issue of the *Journal of Economics and Commerce* Released

01st August 2026

The latest issue of the **Journal of Economics and Commerce**, a peer-reviewed biannual journal published by the **Department of Economics, DAV PG College, Varanasi**, was formally released in the presence of **Prof. N. K. Mishra** and research scholars.

The journal, edited by **Prof. Anup Kumar Mishra**, features research articles on contemporary issues in economics, commerce, labour markets, financial inclusion, climate resilience, artificial intelligence, public health, and sustainable development. During the release, copies of the journal were presented to research scholars, reaffirming the department's commitment to promoting quality academic research and scholarly excellence.

Addressing the gathering, Prof. Mishra emphasized that universities are not merely institutions for awarding degrees but centres of intellectual inquiry, innovation, and nation-building. He expressed confidence that the new issue would inspire researchers, teachers, and academicians to undertake original, socially relevant, and policy-oriented research for the benefit of society and the nation.



Report on Invited Lecture delivered during Faculty Development Programme

11th July 2026

Dr. Siddharth Singh, Assistant Professor, Department of Economics, DAV P.G. College, Varanasi, was invited as a Resource Person by Maharishi Mahesh Yogi Ramayan University (MMYRV), Ayodhya to deliver an expert lecture during the Faculty Development Programme (FDP) on the theme "Digital Empowerment in Academia: AI-Driven Research Methodology and Quality Publication Practices," organized from 10 July to 15 July 2026.

As part of the programme, Dr. Siddharth Singh delivered a three-hour technical session on 11 July 2026 (1:30 PM–4:30 PM) on the topic "Research Design and Methodological Approaches." The session was attended by faculty members representing various academic disciplines, including Social Sciences, Humanities, Commerce, Management, Education, Science, Engineering, and other professional programmes offered by the University.

The lecture focused on developing a comprehensive understanding of the research process, emphasizing the importance of selecting appropriate research designs to address contemporary academic and policy-related issues. The major themes covered during the session included:

- Fundamentals of research design and formulation of research problems.
- Types of research designs: exploratory, descriptive, analytical, diagnostic, experimental, and mixed-method approaches.
- Development of research objectives, hypotheses, and conceptual frameworks.
- Selection of appropriate qualitative, quantitative, and mixed research methodologies.
- Sampling techniques, data collection methods, questionnaire design, and field survey practices.
- Application of statistical tools and software in research analysis.
- Ensuring reliability, validity, ethical considerations, and research integrity.
- Integration of Artificial Intelligence tools in literature review, research planning, data analysis, academic writing, and publication workflows.
- Avoiding plagiarism, predatory journals, and unethical publication practices while maintaining academic excellence.

The lecture combined conceptual discussions with practical demonstrations, real-life research examples, and interactive discussions that enabled participants to understand the application of various methodological approaches across different disciplines. Special emphasis was placed on interdisciplinary research, evidence-based policy analysis, and the effective use of digital technologies and AI-enabled tools for enhancing research quality.

The interactive question-and-answer session provided participants with an opportunity to discuss discipline-specific research challenges, publication strategies and methodological issues. Faculty members

appreciated the practical orientation of the session, particularly the guidance on selecting suitable research designs, improving research quality, and enhancing publication outcomes in reputed journals.

The programme significantly contributed to strengthening the research capabilities of faculty members by equipping them with contemporary methodological knowledge and digital research skills. The session also promoted awareness regarding responsible use of Artificial Intelligence in academic research and reinforced the importance of maintaining high standards of academic integrity and quality publication practices.

